CAMSON

गेहूं की पौन फिट की बाली बनी कौतुहल

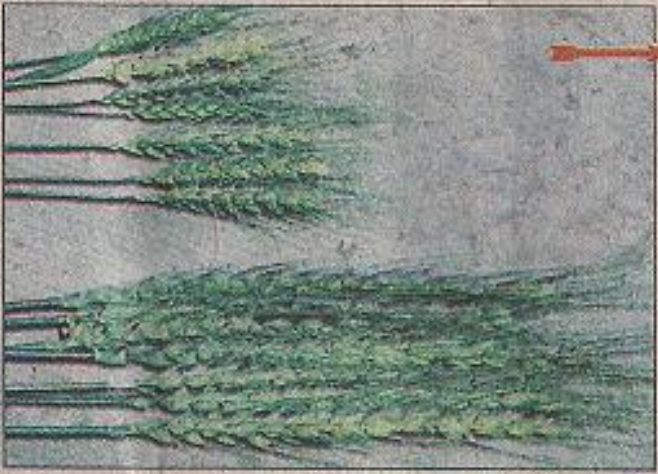

सितारगंज के ग्राम बालपुर में गेहूं की सामान्य से लंबी बाली। सितारगंज के बालपुर में गेहूं के खेत में खड़ा किसान।

जागरण कार्यालय, सितारगंजः पीलीभीत रोड स्थित ग्राम बालपुर माफी में गेहूं के असामान्य पेड़ व बाली कौतुहल का विषय बने हैं। इन्हें देखने के लिए आसपास के गांवों के ग्रामीणों का तांता लगा है। खेत मालिक इन पौधों के गेहूं को पंतनगर विश्व विद्यालय से रजिस्टर्ड कराने की मंशा जता रहा है।

बालपुर माफी के काश्तकार जोगा पुत्र हरदीप सिंह की करीब बीस एकड़ जमीन हैं। उसने नवंबर में करीब छह एकड़ जमीन में अर्ली वेरायटी का पीबीडब्ल्यू 343 गेहूं बोया। अन्य खेतों से अलग एक एकड़ जमीन में बोये गये गेहूं के बीच-बीच में कई पौधे जब ज्यादा लंबाई के दिखे तो जोगा सिंह को हैरानी हुई। बाद में इन पौधों में बाली भी अन्य से लंबी आई।

सितारगंज के बालपुर माफी गांव में लगा तांता

अब जबकि फसल पकने को तैयार है तो इन लंबे पौधों की बाली भी अन्य सामान्य पौधों से दोगुनी थी। सामान्य पौधों की लंबाई जहां तीन फिट है वहीं ये पौधे चार फिट के है। साथ ही सामान्य पौधों की बाली करीब चार इंच लंबी है तो इनकी नौ इंच तक है। हालांकि सभी पौधों के तनों में गांठें चार-चार ही हैं। लेकिन बड़े पौधों की जड़ अन्य से ज्यादा मजबूत है। गेहूं के असामान्य पौधों की चर्चा आसपास के गांवों में हुई तो पौधों को देखने के लिए लोगों का तांता लग गया। अमूमन गेहूं की फसल प्रति एकड़ 18 से 22 कुंतल तक होती है लेकिन इन असामान्य पौधों से 30 से 35 कुंतल प्रति एकड़ की पैदावार होने का अनुमान है। जोगा सिंह का कहना है कि उसने केमशन बायोटेक्नोलॉजी केलबहार के कृषि सलाहकार अविनाश सिंह की देखरेख में सभी खेतों में एक सा बीज बोया। साथ ही एक सी ही खाद व कीटनाशक इस्तेमाल किया। वह इन पौधों के बीज अलग रख पंत विवि भेज रजिस्टर्ड कराना चाहता है ताकि अन्य किसानों को लाभ मिले।

Copyright 2010 CAMSON. All Rights Reserved